<u>उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, हल्द्वानी</u>
<u>महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ: फरवरी 2018</u>

<u>द्वितीय बेस्ट यूनिवर्सिटी अवार्ड–2017</u>

विश्वविद्यालय को गवर्नर्स बेस्ट यूनिवर्सिटी अवार्ड 2017 में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में दूसरे स्थान प्राप्त हुआ है। जिसमें माननीय श्री राज्यपाल द्वारा पुरस्कार के रूप में एक लाख रूपये, विश्वविद्यालय पुस्ताकालय हेतु व प्रशस्ति पत्र कुलपति को भेंट किया गया। विश्वविद्यालय परिवार अवार्ड प्राप्त होने से गौरवान्वित है। इससे सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों को भविष्य में और अच्छा कार्य करने की उर्जा प्राप्त हुई है।

माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय से बेस्ट यूनिवर्सिटी अवार्ड 2017 प्राप्त करते कुलपति

सत्यमेव जयते

RAJBHAWAN UTTARAKHAND

GOVERNOR'S BEST UNIVERSITY AWARD

YEAR 2017

CERTIFICATE OF APPRECIATION

This is to certify that **Uttarakhand Open University, Haldwani,** has been adjudged as the second best University of Uttarakhand for the year 2017 and awarded **Second Prize,** with an amount of ₹ 1,00,000/- (Rupees One Lakh only) for the Library of the University, on 27th February, 2018 at Rajbhawan Uttarakhand, Dehradun.

(Ravinath Raman)
Secretary to Governor

(Dr. K.K. Paul)
Governor, Uttarakhand

माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय से प्राप्त प्रशस्ति पत्र

‘Making Exam a Fun’ मानननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार द्वारा आयोजित ‘मन की बात’ कार्यक्रम का प्रसारण

पत्रांक संख्या -212/XXIV(6)/2018-12(07)/18 दिनांक 08 फरवरी, 2018 के क्रम में दिनांक 16 फरवरी, 2018 को माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार द्वारा छात्र–छात्राओं से **‘Making Exam a Fun’** विषयक वार्ता TV/AIR के माध्यम से किये जाने विषयक, अवगत कराना है कि उपरोक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिनांक 16 फरवरी, 2018 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी परिसर के सभागार में **Webcast** द्वारा **Live Streaming** के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 नागेश्वर राव ने की। उपरोक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 32 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम का प्रचार–प्रसार विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज द्वारा भी किया गया, एवं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी **Live Streaming** का लिंक दिया गया।

*विष्वविद्यालय में **Live Streaming** का प्रसारण*

इसी प्रकार विश्वविद्यालय के 08 क्षेत्रीय कार्यालयों एवं 233 अध्ययन केन्द्रों में में पंजीकृत लगभग 2000 विद्यार्थियों द्वारा यह प्रसारण देखा गया।

<u>बसंतोत्सव–2018 कार्यक्रम में विष्वविद्यालय की सहभागिता</u>

राजभवन उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित बसंतोत्सव 2018 में विश्वविद्यालय की ओर से राजभवन देहरादून में 24–25 फरवरी, 2018 को स्टॉल लगाया गया।

विष्वविद्यालय द्वारा लगाये गये स्टॉल से सम्बन्धित जानकारी लेते माननीय श्री राज्यपाल डॉ0 कृष्णकांत पॉल

स्टॉल में विश्वविद्यालय की विभिन्न पाठ्यक्रमों की स्व–निर्मित अध्ययन सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गयी तथा साथ में प्रचार–प्रसार सामग्री भी आगन्तुकों को वितरित की गयी।

विष्वविद्यालय के स्टॉल का निरीक्षण करते माननीय श्री राज्यपाल डॉ0 कृष्णकांत पॉल

<u>**दिव्यांगों के प्रति संवेदीकरण हेतु शिक्षकों की कार्यशाला**</u>

केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के द्वारा पौड़ी जिले के पाबो एवं खिर्सू ब्लाक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 42 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं 98 प्रशिक्षु अध्यापकों को विभिन्न विकलांगताओं यथा मानसिक मंदता, नेत्रहीनता, मूक-बधिर एवं पढ़ने में अक्षमता से ग्रसित बच्चों हेतु विशिष्ट शिक्षा के प्रति एवं निशक्तजनों के पुनर्वास एवं रोजगार सम्बन्धी प्रावधानों व केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी के प्रति जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन राठ महाविद्यालय, पैठाणी में दिनाँक 5-7 फरवरी 2018 को आयोजित की गयी| कार्यशाला का उद्घाटन राठ महाविद्यालय, पैठाणी के प्राचार्य डॉ जितेन्द्र नेगी जी एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने किया| उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में श्री डॉ जितेन्द्र नेगी जी ने दिव्यांग लोगों के लिए वर्तमान में शिक्षा के विभिन्न अवसरों को सुलभ कराया जाने पर बल दिया| सामान्य बालकों की अपेक्षा दिव्यांग बालकों को शिक्षित करने में कई समस्यांए सामान्य शिक्षकों के सम्मुख आती हैं| और इस प्रकार के प्रशिक्षण सामान्य शिक्षकों के लिए लाभकारी होते हैं| कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने कार्यशाला के विषय, रूपरेखा एवं महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश सम्बंधित ब्लोकों के विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विकलांग बच्चों एवं निशक्तजनों के लिए क़ानूनी प्रावधान, विशिष्ट शिक्षा का प्रबंध, उनमें विकलांगता की पहचान करना एवं सामान्य विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत उनको प्रवेश देना उनके शैक्षिक अधिकारों, पुनर्वास सम्बन्धी अधिकारों एवं नई तकनीकियों के माध्यम से शिक्षण एवं केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी देना है|

प्रतिभागी द्वारा कार्यशाला की उपयोगिता पर विचार व्यक्त करते हुए

कार्यशाला की विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। **(संलग्नक-क)**

योग कार्यषालाऐं

योग विभाग द्वारा माह फरवरी, 2018 में योग विषय की 10 दिवसीय कार्यशालायें सम्पन्न करायी गयी है।

दिनांक 03 फरवरी 2018 से 12 फरवरी 2018 तक योगविज्ञान में डिप्लोमा एवं स्नातक प्रथम वर्ष की कार्यशाला वेद निकेतन धाम, हरिद्वार में सम्पन्न हुयी जिसमें 357 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दिनांक 03 फरवरी 2018 से 12 फरवरी 2018 तक योग में स्नातक तृतीय वर्ष की कार्यशाला वेद निकेतन धाम, हरिद्वार में सम्पन्न हुयी जिसमें 113 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दिनांक 15 फरवरी 2018 से 24 फरवरी 2018 तक एम0ए0 योग प्रथम वर्ष की कार्यशाला वेद निकेतन धाम, हरिद्वार में सम्पन्न हुयी जिसमें 407 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दिनांक 15 फरवरी 2018 से 24 फरवरी 2018 तक एम0ए0 योग द्वितीय वर्ष की कार्यशाला वेद निकेतन धाम, हरिद्वार में सम्पन्न हुयी जिसमें 303 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दिनांक 15 फरवरी 2018 से 24 फरवरी 2018 तक योग में स्नातक द्वितीय वर्ष की कार्यशाला वेद निकेतन धाम, हरिद्वार में सम्पन्न हुयी जिसमें 103 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कार्यशाला में प्रतिभाग करते योग विद्यार्थी

उपर्युक्त कार्यशालाओं में 10 दिन तक प्रतिदिन विविध प्रयोगात्मक एवं तकनीकी सत्रों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुवा है। प्रयोगात्मक सत्रों में विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक श्री ललित मोहन के नेतृत्व तथा कार्यक्रम संयोजक डा0 भानु जोशी के दिशानिर्देश में प्रात: काल कुल 22 महिला एवं पुरूष योग प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रतिदिन योगिक षटकर्म, सूक्ष्म व्यायाम , आसन, प्राणायाम ,मुद्रा, बन्धों तथा ध्यान का अभ्यास शिक्षार्थियों को कराया गया।

कार्यशाला में योगाभ्यास करते विद्यार्थी

योग विद्यार्थियों को सम्बोधित करते प्रो0 दुर्गेश पंत, निदेशक, परिसर देहरादून

सायंकाल प्रयोगात्मक परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों को कठिन आसन भी करायें गये। प्रतिदिन 2 तकनीकी सत्र विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए रखे गये जिसमे योग के विविध सैद्धान्तिक पक्षों की जानकारी अलग- अलग विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की गई। तकनीकी सत्रों में देश के अलग-अलग संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से आये विषय विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को मिल रहा है। जिसमें डा० अमृत लाल गुरूर्वेद्र, एसो0 प्रोफेसर देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, निसर्गाचार्य डी0 एन0 शर्मा डा0 मलिक आर0 प्रताप योग विभाग राज0 एम0 बी0 पी0 जी0 कालेज, हल्द्वानी डा0नित्यानन्द शर्मा असि0 प्रोफेसर कोटा मुक्त विश्वविद्यालय, पदम श्री भारत भूषण, डा0 पूजा कौशिक डा0 सुरेन्द्र कुमारडॉ विजय सिह, डॉ संतोष विश्वकर्मा, डा0 अर्पिता नेगी, डा0 लक्ष्मी नारायण जोशी, डा0घनश्याम ठाकुर तथा कार्यक्रम संयोजक योग विभाग डा0 भानु प्रकाश जोशी ने समय–समय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये।

<u>ग्राम्य विकास</u>

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनॉक 06 फरवरी 2018 को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गॉव मोथरोवाला के गुरु राम रॉय स्कूल में अध्ययनरत छात्रों व स्थानीय जनता को प्रेरित करने के उददेश्य से एक स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विषय विशेषज्ञ महन्त इंद्रेश के वैज्ञानिक–चिकित्सक डॉ0 नरोत्तम शर्मा द्वारा जल–जनित विभिन्न बीमारियों एवं उनके रोकथाम पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। मुक्त विश्वविद्यालय की परामर्शदाता डॉ0 सेमवाल द्वारा छात्रों को संतुलित आहार एवं पौष्टिक भोजन विषय पर प्रस्तुति दी गई। उक्त कार्यक्रम के अंत में प्रो0 दुर्गेश पन्त के निर्देशन में रिस्पना नदी के पुर्नजीवन हेतु गठित स्वयंसेवकों के साथ मिलकर एक स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया।

विष्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गॅाव मोथरोवाला के गुरु राम रॉय स्कूल में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट एवं फोटो संलग्न है **(संलग्नक–ख)**।

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए 07 गांवों में सामाजिक और विकास कार्यों हेतु एकीकृत योजना तैयार की गई है। इन गॉवों में विश्वविद्यालय द्वारा गॉव के निवासियों के विकास एवं जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रमों और शिविरों का आयोजन करने की योजना है। योजना की रिपोर्ट संलग्न है (संलग्नक–ग)।

ग्राम सभा मानपुर पश्चिम में हैलो हल्द्वानी की पहल

सामुदायिक रेडियो हैलो हल्द्वानी ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव मानपुर पश्चिम में जाकर वहां के लोगों की आवाज बनने की पहल की है। जिसके तहत सबसे पहले मानपुर पश्चिम की आवाज नाम से एक नए प्रोग्राम का निर्माण किया गया है। इस प्रोग्राम में अभी तक दो कार्यक्रमों का निर्माण किया गया है।

श्रीमती भागीरथी बिष्ट से वार्ता करते हुए

जिसमें पहले एपिसोड के रूप में मानपुर पश्चिम की पिछले पन्द्रह साल से ग्राम प्रधान रही भागीरथी बिष्ट का साक्षातकार लिया गया है। साक्षातकार के बहाने ये जानने की कोशिश की गई है कि मानपुर पश्चिम की आबादी कितनी है कितने समुदायों के लोग यहां पर रहते हैं कितने यहां के मूल निवासी हैं और कितनी आबादी किराये पर रह रही है। यहां का युवा कहां तक पढ़ा है और क्या रोजगार कर रहा है। इस ग्राम सभा में महिलाओं के कितने समूह हैं और वह क्या क्या कार्य कर रहे हैं। स्वास्थ्य की सुविधाएं लेने के लिए लोग कहां जाते हैं। गांव में साफ-सफाई का हाल कैसा है। पानी कहां से आता है, कितना रकबा अभी यहां खेती का शेष है। औद्योगिक इकाईयां इस ग्राम सभा में कितनी है। ऐसे ही कई सवाल जानने की कोशिश की गई।

जवाब में भागीरथी बिष्ट ने बताया कि मानपुर पश्चिम की ग्राम सभा को नए परिसीमन में नगर निगम में मर्ज कर दिया गया है। जबकि मानकों के हिसाब से इसे ग्राम सभा में ही आना चाहिए, लिहाजा उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दी है जिस पर अभी सुनवाई होनी बाकि है। उन्होंने कहा कि उनकी ग्राम सभा की स्थायी आबादी 2011 की जनगणना के अनुसार 3135 है। इसके अलावा तकरीबन 8 हजार किराएदार हैं। ग्राम सभा कुल 71 हेक्टेअर भूमि में फैली है जिसमें 67 फीसद आवासीय भूमि व शेष 33 फीसद खेती की जमीन है।

भागीरथी बिष्ट ने बताया कि 75 फीसद से उपर जब जनसंख्या हो जाती है तब गांव नगर निगम में मिलाया जा सकता है। दूसरा जब आय के स्त्रोत जब ज्यादा हों तब निगम में मर्ज किया जा सकता है, लेकिन हमारी ग्राम सभा में एक कत्था फैक्ट्री के अलावा एक निशान का शो रूम है और कोई भी औद्योगिक इकाइयां नहीं हैं, इसीलिए सारा टैक्स यहां की आवादी को देना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि पांच युवा इस ग्राम सभा के डाक्टर बने हैं, बाकि युवा छोटे मोटे रोजगार में लगे हैं। सिक्ख आबादी भी यहां पर रहती है। साफ सफाई के लिए निर्मल ग्राम पुरस्कार इस ग्राम सभा को मिला हुआ है।

महिला मंगल दल की महिलाओं से वार्ता करते हुए

दूसरे एपिसोड में ग्राम सभा में पिछले एक साल से काम कर रहे महिला मंगल दल की महिलाओं को स्टूडियो में आमंत्रित किया गया था, जिनसे उनके दल के कार्यकलापों पर विस्तार से बातचीत की गई। महिलाओं को सशक्त करने, उन्हें रेडियो का मंच/माइक देकर नेतृत्व देने के प्रशिक्षण देने की पहल भी की गई। महिलाओं ने अपने लोक गीत व झोड़ा भी सुनाए।

आगामी योजना के तहत तीन और एपिसोड तैयार करने की योजना है, जिसमें वहां के युवक मंगल दल से बातचीत व वहां की किशोरियों, आगंनबाड़ी व आशा कार्यकर्ताओं से बात करने की योजना है। साथ ही एक रेडियो फीचर/डाक्यूमेंट्री बनाने की योजना है।

हैलो हल्द्वानी के फरवरी माह में प्रसारित प्रोगाम

प्रोग्राम- विज्ञान की दुनिया में मेहमान- वाइल्ड लाइफ बायोलाजिस्ट डा कृष्ण कुमार मिश्र वार्ताकार भूपेन सिंह

प्रोग्राम विज्ञान की दुनिया में मेहमान- डा. कृष्ण कुमार मिश्र- वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम- विज्ञान की दुनिया में मेहमान- डा. ज्योतिनिवास पंत- वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम – हैल्दी हल्द्वानी में विशेषज्ञ- डा. अभिनव जैन- वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम- हेल्दी हल्द्वानी में विशेषज्ञ-डा. असित अरोड़ा- वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम- हेल्दी हल्द्वानी में विशेषज्ञ-डा. असित अरोड़ा, वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम – हैल्दी हल्द्वानी में विशेषज्ञ- डा. अभिनव जैन, वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम – हैल्दी हल्द्वानी में विशेषज्ञ- डा. अभिनव जैन, वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम – हैल्दी हल्द्वानी में विशेषज्ञ- डा. अभिनव जैन, वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम – हैल्दी हल्द्वानी में विशेषज्ञ- डा. अभिनव जैन, वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम- मानपुर पश्चिम की आवाज में मेहमान- ग्राम प्रधान भागीरथी बिष्ट, वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम- मानपुर पश्चिम की आवाज में मेहमान- मानपुर गांव की महिला मंगल दल की महिलाएं, वार्ताकार सुनीता भास्कर व विधि

प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया में मेहमान- हरगोंविंद सुयाल स्कूल के शिक्षक वार्ताकार, सुनीता भास्कर व गोपाल दत्त

प्रोग्राम चर्चा में मेहमान एसएसएस के स्टूडेंट, वार्ताकार विधि बिंजोला

प्रोग्राम- फिल्मी दुनिया में मेहमान डाक्यूमेंट्री मेकर नीलिमा माथुर व प्रमोद माथुर , वार्ताकार गिरिजा पांडे व सुनीता भास्कर

प्रोग्राम- मुलाकात में मेहमान-बीबीसी व डायचे वेले के पत्रकार रोहित जोशी, वार्ताकार भूपेन सिंह

प्रोग्राम- यंग हल्द्वानी में मेहमान- युवा कवि व फिल्म मेकर, वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम- लोक रंग में मेहमान पकंज उप्रेती, वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम- मुलाकात में मेहमान वरिष्ठ पत्रकार राजीव लोचन शाह , वार्ताकार भूपेन सिंह

प्रोग्राम- आधी आबादी की आवाज में मेहमान तनुजा जोशी, वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम-शिक्षा का पहिया में मेहमान डा. निर्मल निओलिया, वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम मिसाल बेमिशाल में मेहमान ढौंढीराम, वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम हेल्दी हल्द्वानी मेहमान के डी सति वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम- कविता संसार में मेहमान कवि त्रिवेन्दर जोशी , वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम-मुलाकात में मेहमान फिल्ममेकर सुर्दशन जुयाल, वार्ताकार भूपेन सिंह

प्रोग्राम- यंग हल्द्वानी में मेहमान- युवा कवि व फिल्म मेकर , वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम- हेल्दी हल्द्वानी मेहमान राजेन्द्र उप्रेती, वार्ताकार सुनीता भास्कर

प्रोग्राम- हमारे गांव हमारी पंचायत में मेहमान राजीव लोचन शाह, वार्ताकार राजीव लोचन शाह

प्रोग्राम- हाट बाजार स्थान जयपुर में जंगश्न शॉप, वार्ताकार सुनीता भास्कर

(हैलो हल्द्वानी के फरवरी माह में प्रसारित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक- घ)

परीक्षा

दिनांक 01 दिसम्बर 2017 से 29 दिसम्बर 2017 तक आयोजित वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा के 90 प्रतिशत परीक्षाफर माह जनवरी में घोषित किया गया था। दिनांक 03 फरवरी 2018 को समस्त पाठ्यक्रमों का पूर्ण परीक्षाफल (कुल 36 दिवसों में) घोषित कर दिया गया है **(संलग्नक–ङ)**।

परीक्षाफल वार्षिक केलेन्डर के अनुरूप समय से घोषित किये गये है। परीक्षा परिणामों में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की डिजिटल हस्ताक्षरित अंकतालिका ऑन लाईन उपलब्ध है।

फरवरी माह में 302 मूल उपाधियॉ, 34 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

प्रवेष

दिनांक 25/01/2018 से विश्वविद्यालय की शीतकालीन सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो गये हैं जिसकी अंतिम तिथि 15 मार्च 2018 है। दिनांक 28 फरवरी, 2018 तक 3795 विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लिया है।

शीतकालिन सत्र में कुल 5000 विवरणिकाओं का मुद्रण किया गया है जिन्हें समस्त क्षेत्रीय कार्यालयों में प्रेषित कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटल इण्डिया के पहल के अंतर्गत सभी अध्ययन सामग्री ऑनलाईन उपलब्ध करा दी गई है तथा कुछ पाठ्यक्रमों यथा MSC-GIS-17,

MA-GIS-17, MAY-17, MAED-17, PGDGIS-17, CEGCS-17 की ई–कोपी लेने पर विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम शुल्क में 15 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है।

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। पूर्व में यह सामग्री क्षेत्रीय कार्यालयों को प्रेषित की जाती थी। वहा से यह सामग्री अध्ययन केन्द्रों को प्रेषित की जाती थी। इस प्रक्रिया में अधिक समय अधिक लगता था। वर्तमान में यह सामग्री जिन अध्ययन केन्द्रों में पंजीकृत छात्रों की संख्या अधिक है वहॉ सीधे प्रेषित की जा रही है तथा जहॉ पंजीकृत छात्रों की संख्या कम है वहॉ अध्ययन सीधे छात्रों को प्रेषित की जा रही है।

विश्वविद्यालय के ग्रीष्म कालीन सत्र 2017–18 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Previous Session (2017-18-Summer)

Total Students	48399
Books Packed/Dispatched For	40357

विशिष्ट शिक्षा के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला का आयोजन

दिनाँक 29/01/2018 को देहरादून परिसर में गढ़वाल मंडल स्थित विशिष्ट शिक्षा के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की एवं 16/02/2018 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में कुमाऊँ मंडल स्थित विशिष्ट शिक्षा के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की अलग-अलग बैठक आयोजित की गयी| देहरादून परिसर में निम्नलिखित सदस्यों ने प्रतिभाग किया-

डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल – समन्वयक , विशिष्ट शिक्षा
श्री रोहित कोचगवे-चित्रांचल कल्याण समिति, (11119)
श्री जितेन्द्र यादव –डी डी कॉलेज (11115)
श्री अनिल तोमर – नेटकॉम (11118)
सुश्री जगदीप कौर- बजाज इंस्टिट्यूट (11124)
श्री अनंत प्रकाश मेहरा- मुनिशाभा सेवा सदन एवं पुनर्वास संस्थान (11120)

कुमाऊँ मंडल स्थित विशिष्ट शिक्षा के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की बैठक में निम्नलिखित सदस्यों ने प्रतिभाग किया-

डॉ कल्पना पाटनी लखेड़ा –प्रभारी , विशिष्ट शिक्षा
श्रीमती मनीषा पन्त –अकादमिक परामर्शदाता
श्री मधुकर बनोला -उपकार कल्याण समिति, हल्द्वानी (16113)
श्री हेमंत शाह - दून कॉन्वेंट स्कूल,बरेली रोड, हल्द्वानी – (16108)
श्री नंदन कांडपाल- सर्जन स्पास्टिक सोसाइटी,हल्द्वानी- (16110)
यू.एस.आर. इंदु समिति,रामनगर – (16114)

विशिष्ट शिक्षा के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की बैठक में विचार-विमर्श उपरांत महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर निर्णय लिया गया

पाठ्य सामग्री निर्माण

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसमें समाज शास्त्र, लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान, वाणिज्य, होटल प्रबंध, प्रबन्ध अध्ययन, इतिहास व ज्योतिष विषय से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों के द्वितीय वर्ष/सेमेस्टर की स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, भूगोल (स्नातक) व गृह विज्ञान (परास्नातक) पाठ्यक्रमों के द्वितीय वर्ष की स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण कर लिया गया है तथा इनके संपादन का कार्य किया जा रहा है।

आगामी सत्र में प्रस्तावित बी0लिब0 पाठ्यक्रम के दोनों सेमेस्टरों की स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

साइबर सिक्यूरिटी

- दिनांक 04 फरवरी, 2018 को श्री आशुतोष बहुगुणा, जॉइंट डायरेक्टर, साइबर इमरजेंसी रेस्पोंसे टीम ऑफ इंडिया द्वारा विश्वविद्यालय में उपस्थित हुए तथा साईबर निम्नलिखित लेक्चर रिकॉर्ड किये–

  a. Cyber Security Initiatives of India
  b. Cyber Security Threat Landscape
  c. Web-Application Security
  d. Wi-Fi Threats and security
  e. Managing Cyber Security

  यह लेक्चर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सर्टिफिकेट इन ई–गवर्नेंस एंड साइबर सिक्यूरिटी पाठ्यक्रम के साइबर सिक्यूरिटी टेक्निक्स विषय हेतु तैयार किए गए हैं तथा यह विश्वविद्यालय की

श्री आशुतोष बहुगुणा, जॉइंट डायरेक्टर, साइबर इमरजेंसी रेस्पोंसे टीम ऑफ इंडिया, लेक्चर रिकॉर्ड करते हुए

ई लर्निंग वेबसाइट elearning.uou.ac.in पर उपलब्ध है।

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर देहरादून के निदेशक प्रो0 दुर्गेश पंत द्वारा दिनॉक 21, 22 एवं 23 फरवरी 2018 को अमेरिकी दूतावास एवं लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग द्वारा साईबर सिक्योरिटी 'हैकथॉन' में राज्य समन्वयक के रूप में प्रतिभाग किया, जिसमें राज्य के विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों से आये लगभग 50 से ज्यादा छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया। उक्त कार्यक्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के डॉ0 जितेन्द्र पाण्डे निर्णायक समिति के सदस्य थे।

साईबर सिक्योरिटी 'हैकथॉन' कार्यक्रम में प्रतिभाग करते प्रो0 दुर्गेष पंत

विश्वविद्यालय के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर का सिक्यूरिटी ऑडिट

साईबर इमरजेंसी रिपोंस टीम ऑफ इण्डिया, मिनिस्टी ऑफ कम्यूनिकेशन एवं आई टी, भारत सरकार द्वारा आयोजित साईबर इमरजेंसी रिस्पोंस सिक्यूटी ड्रिल 2018 में प्रतिभाग करने वाली भारत वर्ष की प्रथम विश्वविद्यालय है। यह ड्रिल 15-16 मार्च, 2018 को आयोजित होना है जिसमें सर्ट-इन द्वारा विश्वविद्यालय के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर का ऑडिट किया जायेगा तथा डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा से संबंधित सुझाव दिये जायेंगे।

<u>अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस</u>
<u>दिनांक–21 फरवरी, 2018</u>

अंतरराष्ट्रीय संस्था 'यूनेस्को' द्वारा प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया जाता है | इस सन्दर्भ में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के पत्र संख्या F.14-5/2018(CPP-II) दिनांक 15 फरवरी, 2018 के अनुपालन में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें सामान्य भाषा ज्ञान प्रतियोगिताएं एवं संक्षिप्त विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया|

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस में अध्यक्षीय भाषण देते कुलपति

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव द्वारा गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कहा कि अपनी मातृभाषाओं की उन्नति हेतु सदैव जमीनी स्तर पर कार्य करना चाहिए तथा भाषा की उन्नति ही सभ्यता की उन्नति का परिचालक होता है, साथ ही एक सभ्य समाज की भाषा भी उन्नत होती है।

विजेताओं को प्रमाण पत्र देते हुए कुलसचिव प्रोफेसर आर0सी0 मिश्रा

कार्यक्रम में सामान्य भाषा ज्ञान प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी जिसमें विश्वविद्यालय कर्मियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। अंत में कुलपति द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र दिये गये तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा ने कहा कि भाषा के प्रश्न को भी मूल्य स्तर पर हल करने का प्रयत्न करना चाहिए। विश्वविद्यालय परिसर के अलावा भी विश्वविद्यालय के अनेक अध्ययन केन्द्रों में भी अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिनके विजेताओं को कुलसचिव प्रोफेसर आर0सी0 मिश्रा द्वारा प्रमाण पत्र दिये गये।

शोध व अन्य शैक्षिक गतिविधियॉं

- माह फरवरी, 2018 में विश्वविद्यालय के डॉ0 सुचित्रा अवस्थी, सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी तथा डॉ. प्रवीण कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र द्वारा UGC, HRDC कुमांऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आयोजित Orientation Programme में प्रतिभाग किया गया है।
- भारतीय विश्वविद्यालय संघ की 26 फरवरी से 04 मार्च, 2018 की साप्ताहिक पत्रिका "University News" में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 नागेश्वर राव द्वारा वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा राजस्थान के 10वें दीक्षान्त समारोह दिनांक 21 जुलाई, 2017 को दिये गये दीक्षान्त भाषण का प्रकाशन हुआ है।
- कुलपति प्रो0 नागेश्वर राव को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा नेशनल टॉस्क फोर्स (एनटीएफ) का अध्यक्ष बनाया गया है। एनटीएफ देश के दूरस्थ उच्च शिक्षण संस्थानों के मूल्यांकन और मान्यता देने का काम करता है। **(पत्र की प्रति संलग्न–च)**
- कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव द्वारा अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया।

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के परिसर देहरादून निदेशक द्वारा दिनॉक 24 फरवरी 2018 को ग्राफिक इरा पर्वतीय विश्वविद्यालय में Teachers' Conclave आयोजित किया गया। उक्त Teachers' Conclave में राज्य के लगभग समस्त ब्लाकों एवं राज्य के जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डायट) से शिक्षकों द्वारा प्रौद्योगिक आधारित शिक्षा पर आयोजित कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल ऑफ कम्प्यूअर साइंस एवं आई के सहायक प्रध्यापक डॉ0 जीतेन्द्र पाण्डे को विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। डॉ0 जीतेन्द्र पाण्डे द्वारा "Understanding Open Licenses" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

- कुलपति प्रो0 नागेश्वर राव द्वारा दिनांक 17–18 फरवरी, 2018 में जगदीश सरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमरोहा में अखिल भारतीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया।

- अमेरिकन एम्बेसी एवं उत्तराखण्ड साइंस एजुकेशन रिसर्च सेण्टर, देहरादून द्वारा दिनांक 22-23 फरवरी, 2018 तक तीन दिवसीय "Cyber Security Hackathon" का आयोजन किया गया। स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस एवं आईटी के सहायक प्रध्यापक डॉ0 जितेन्द्र पाण्डे द्वारा 22-23 फरवरी, 2018 को World Integrity Centre, Rajpur Road, Dehradun में आयोजित कार्यक्रम में Mentor के रूप में प्रतिभाग किया। डॉ0 जितेन्द्र पाण्डे के निर्देशन में टीम साइबरएक्स को अमेरिकन एम्बेसी प्रथम पुरस्कार के रूप में 50000 की पुरस्कार राशि दी गयी।

- दिनांक 9-10 फरवरी 2018 को सीमांत इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, पिथौरागढ़ द्वारा Big Data and Computational Intelligence विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। इसमें कम्प्यूटर साइंस विभाग के डायरेक्टर प्रो0 दुर्गेश पंत एवं प्रोग्राम कोऑडिनेटर डॉ0 जितेन्द्र पाण्डे द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ0 जितेन्द्र पाण्डे द्वारा How the Internet of Things drives the fourth Industrial revolution? विषय पर आधार व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग करते प्रो0 दुर्गेश पंत एवं प्रोग्राम कोर्डिनेटर डॉ0 जितेन्द्र पाण्डे व अन्य प्रतिभागी

- दिनांक 21 फरवरी, 2018 को फयूचर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट, बरेली द्वारा "Recent Advances in Software Engineering and Mechatorinics" विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित अतिथि के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी में प्रतिभाग करते डॉ0 जितेन्द्र पाण्डे।

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के परिसर देहरादून निदेशक प्रो0 दुर्गेश पन्त द्वारा आई0 आई0 आर0 एस0 (इसरो) की यूजर्स मीट में दिनॉक 26 फरवरी 2018 को विस्तृत व्याख्यान दिया गया।

आई0 आई0 आर0 एस0 (इसरो) की यूजर्स मीट में प्रतिभाग करते डॉ0 दुर्गेष पंत

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के परिसर देहरादून निदेशक प्रो0 दुर्गेश पन्त द्वारा वाडिया हिमालय भू–विज्ञान संस्थान में दिनॉक 28 फरवरी 2018 राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर व्याख्यान दिया गया।

विज्ञान दिवस के अवसर पर व्याख्यान देते प्रो0 पंत

- डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक, ज्योतिष द्वारा दिनांक 01 व 02 फरवरी 2018 को लखनऊ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेमीनार में 'वेदांग ज्यातिष' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ0 सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल को स्पीकिंग हैंड्स वेल्फेयर फाउंडेशन, पंजाब द्वारा समावेशी समाज और दिव्यांग व्यक्तियों के क्षेत्र में किए गए सराहनीय कार्य के लिए पूरन सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- डॉ0 सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल को उन्नत अनुसंधान एवं सामाजिक क्रिया संस्थान) Institute of Advanced Research and Social Action), हरियाणा द्वारा विशेष शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान और अथक प्रयासों के लिए सरोवर पुरस्कार-2018 से सम्मानित किया गया।
- **विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज। (संलग्नक-छ)**

****